हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा "प्रकृति : छात्र-वैज्ञानिक मिलन कार्यक्रम" के अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालय, एनएचपीसी सेंज, कुल्लू, हि॰प्र॰ में जागरूकता अभियान का आयोजन

प्रकृति : छात्र-वैज्ञानिक मिलन कार्यक्रम के अंतर्गत हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने केंद्रीय विद्यालय, **एनएचपीसी सेंज, कुल्लू , हि॰प्र॰** के 9 वीं एवं 10+1 के विद्यार्थियों (लगभग 60) के लिए वानिकी तथा पर्यावरण के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से दिनांक **01, दिसम्बर 2018** को एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में **श्री जगदीश सिंह**, वैज्ञानिक-एफ, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों व संकाय का अभिनंदन तथा स्वागत करते हुए बताया कि *भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्*, देहरादून, जो कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन एक स्वायत संस्था है तथा वानिकी अनुसंधान एवं पर्यावरण के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही हैं। उन्होंने विद्यार्थियों

को पॉवरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह संस्थान पश्चिमी हिमालय राज्यों - हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू-कश्मीर में वानिकी एवं वानिकी अनुसन्धान तथा पर्यावरण सरंक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है व संस्थान की गतिविधियों के बारे में भी विद्यार्थियों को विस्तार से अवगत कराया।

श्री सिंह ने पॉवरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों को **'महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की पहचान, उनके उपयोग एवं महत्त्व'** पर प्रस्तुति दी। अपनी प्रस्तुति में उन्होंने महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की पहचान, प्रयोग एवं खेती पर भी विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके क्षेत्र में पायी जाने वाली कम से कम पाँच औषधीय पौधों के नाम याद रखने के लिए भी कहा। इस अवसर में **श्रीमती रीता डोगरा**, पी॰जी॰टी॰, जीव विज्ञान ने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला से आए वैज्ञानिक, **श्री जगदीश सिंह** तथा **श्री श्याम सुन्दर**, तकनीशियन का धन्यवाद करते हुये कहा कि उनके द्वारा दी गयी जानकारी से छात्र निश्चित रूप से लाभान्वित होंगे तथा आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन समय-समय पर करते रहेंगें। विद्यालय की प्रधानाचार्या, **श्रीमती मंजू रानी शर्मा** ने भी इस अवसर पर दी गयी जानकारी कि सराहना की तथा आग्रह किया कि संस्थान द्वारा विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण मनाली में जगतसुख स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र सह वन विज्ञान केंद्र के परिसर में भी करवाया जाये ताकि विद्यार्थी वानिकी तथा पौधशाला

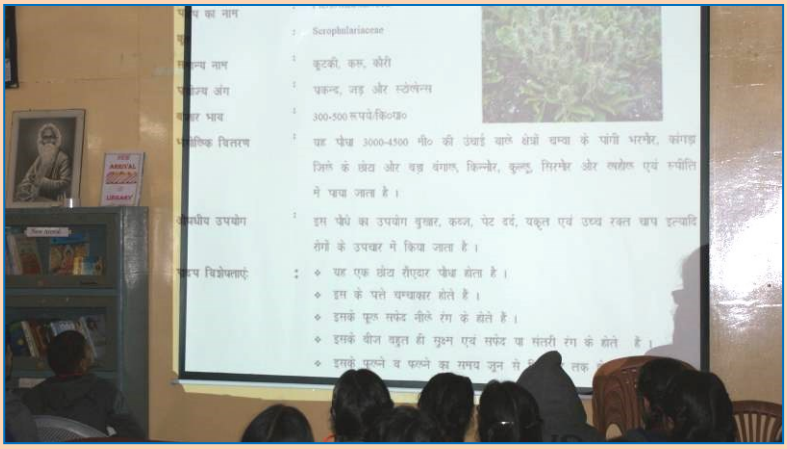

में उगाये गए औषधीय पौधों को प्रत्यक्ष रूप से देख कर पहचान सकें एवं जानकारी प्राप्त कर सकें। उन्होनें इस तरह के आयोजन करने के लिए *भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्*, देहरादून, के महानिदेशक तथा हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला के निदेशक का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का संस्थान के वैज्ञानिक द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया।

कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

****